

This question paper contains 3 printed pages]

28/11/19 M

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

S. No. of Question Paper : 2747

Unique Paper Code : 12133901

JC

Name of the Paper : Acting and Script Writing

Name of the Course : B.A. (Hons.) Sanskrit : CBCS—SEC

Semester : III

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note :— Unless otherwise required in a question, answers should be written *either* in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :—अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत अथवा हिन्दी अथवा अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

All questions are compulsory.

सभी प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य हैं।

1. लोकधर्मी एवं नाट्यधर्मी अभिनय क्या हैं ? इनमें अन्तर स्पष्ट कीजिए। 15

What are the Lokdharmi and Natyadharmi Abhinaya ? Justify the difference between the two.

P.T.O.

अथवा/Or

भूमिका निर्धारण के सामान्य नियमों का विस्तार से वर्णन कीजिए।

Describe in detail the general principles of Assignment of role.

2. नाट्यशास्त्र में वर्णित अनुरूप, विरूप एवं रूपानुसारिणी से आप क्या समझते हैं ? 15

What do you understand by Anurupa, Virupa and Rupanusarini as described in the Natyashastra ?

अथवा/Or

अभिनय कितने प्रकार का होता है ? सोदाहरण वर्णन कीजिए।

How many types of Abhinaya are there ? Describe with examples.

3. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच पर टिप्पणी लिखिए : 15

Write notes on any five of the following :

कुशीलव, नर्तक, विदूषक, सूत्रधार, कुशल, नाट्यकार, नट

अथवा/Or

कथावस्तु की परिभाषा देते हुए आधिकारिक और प्रासंगिक कथावस्तु का विस्तार से वर्णन कीजिए।

Define Kathavastu and describe the Adhikarika and Prasangika Kathavastus.

4. पाँच प्रकार की अर्थप्रकृतियों का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए। 15

Describe in detail about the five types of Arthaprakriti.

अथवा/Or

संवाद से आप क्या समझते हैं ? संवाद कितने प्रकार का होता है ? वर्णन कीजिए।

What do you understand by Dialogue ? How many types of dialogue are there ? Describe.

5. अभिज्ञानशाकुन्तलम् नाटक के प्रसंग में नान्दी और प्रस्तावना पर विस्तृत निबन्ध लिखिये। 15

Write a detailed note on Nandi and Prastavana in the context of Abhijnanshakuntalam.

अथवा/Or

प्रख्यात, उत्पाद्य एवं मिश्र पर विस्तार से टिप्पणी लिखिये।

Write detailed notes on Prakhyata, Utpadya and Mishra.